सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र:2026-27

कक्षा:7	विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक	पाठ: ५ सूर के पद

मौखिक

क) पहले पद में बालक श्री कृष्णा भूख लगने पर भात तथा दही खाने की बात कह रहे हैं।

(ख) श्री कृष्णा कसम खाकर यमुना के जल में नहाने के लिए मना रहे हैं।

(ग) बालक कृष्ण के अमृत जैसे वचन सुनकर माँ प्रसन्न हो जाती हैं।

(घ) यशोदा माता हर समय कृष्ण को अपने नेत्रों के आगे ही रखना चाहते हैं।

(लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर-)

(क) कृष्ण गाय चराने भेजने के लिए मन को यह कहकर मना रहे हैं कि मैं मनसुखा और हलधर आदि के साथ रहूँगा और यमुना के जल में खेलने भी नहीं जाऊँगा।

(ख) माँ यशोदा यह कहकर कृष्ण को गाए चराने जाने से रोक रही हैं कि तुम अपने घर में ही खेलों और हमेशा मेरी आँखों के आगे ही रहो।

(ग) श्री कृष्ण के सारे ग्वाल-बाल अपनी गाए चरवाते हैं। हमारे विचार से उनका मन बदलने का कारण यही हो सकता है कि वह गाए चराने पर थक जाते हैं।

(घ) बालक श्री कृष्ण की बात सुनकर माँ यशोदा ग्वालों से कहती है कि मैं अपने लड़के को इसलिए गाए चराने भेजती थी, जिससे वह अपना मन बहला के आ जाए, पर तुम लोग तो उसे दौड़ा-दौड़ाकर मार रहे हों।

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर-)

(क) श्री कृष्णा एक साधारण बालक की तरह अपनी माँ से अपने मित्रों के साथ जाने की ज़िद कर रहे हैं जिससे वे उनके साथ अधिक समय बिता सके। वह साधारण बालक की तरह ही गायों को चराना भी चाहते हैं।

(ख) ग्वाल- बालों को भोजन में दही- भात अधिक पसंद होता है तथा वे जब गाए चराने जाते हैं तो अपने साथ अपना भोजन ले जाते हैं और भूख लगने पर वही अपना भोजन कर देते हैं। इससे भी यह पता चलता है कि गायों के पलक गायों के दूध से बनाए गए भोजन को ही अधिक पसंद करते हैं।

(ग) इस पंक्ति में माँ यशोदा के मातृत्व का यह रूप सामने आता है कि वह अपने पुत्र श्री कृष्ण से बहुत अधिक प्यार करती हैं। वह उसे किसी भी कष्ट में देखना नहीं चाहती।

(घ) हमें तीनों पदों में से पहला पद सबसे अच्छा लगा क्योंकि इस पद में बालक श्री कृष्णा एक साधारण बालक की तरह माँ यशोदा से ज़िद कर रहे हैं कि वे उसे गाए चराने के लिए भेज दें और फिर उनके सामने तरह-तरह के वचन भी भर रहे हैं, जिससे वे माँ यशोदा को विश्वास दिला सके कि वह गाय चराते समय अपना पूरा ध्यान रखेंगे और माँ यशोदा उनकी बात मानकर उन्हें मित्रों के साथ गाए चराने भेज दें।

पठित गद्यांश

(क) कविता सूर के पद कवि सूरदास है।

(ख) इस पद में बालक श्री कृष्ण, माँ यशोदा से गाय चराने जाने की बात कर रहे हैं।

(ग) बालक श्री कृष्ण माँ के द्वारा नंद बाबा से कहना चाहते हैं की माँ तू नंद बाबा से यह कह देना कि मैं अब बड़ा हो गया हूँ। अब मैं किसी से डरता नहीं हूँ।

(घ) बालक श्री कृष्णा रैता, पैता, मना, मनसुख और हलधर के संग रहने की बात कर रहे हैं।